बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)

संपादक
आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा
(जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे
सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही
विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास
सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले
दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : **2022**

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,
अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)
नई दिल्ली-110 002

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल (जन्म 20 सितम्बर, 1969) वर्तमान में कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ है। इससे पूर्व आप सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात में वाणिज्य विभाग में प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। आप सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और परीक्षा नियंत्रक के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 30 वर्षों से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप ऑक्सफोर्ड बिज़नेस स्कूल के पुराछात्र रहे है, साथ ही साथ आपने अमेरिका, इंग्लैंड, चीन, थाईलैंड और नेपाल की अकादमिक यात्रायें भी की हैं। वाणिज्य विषय में विशेषज्ञता के साथ-साथ आपकी साहित्य एवं इतिहास में गहरी रूचि रही हैं। प्रस्तुत कृति आपकी इसी रूचि का परिणाम है।

यह किताब...

बिरसा मुंडा के आर्विभाव को लगभग डेढ़ सदी एवं उनके तिरोभाव को प्रायः एक सदी हो गई है। कृतज्ञ राष्ट्र अपने इस स्वतंत्रता नायक को श्रद्धांजलि अर्पित करता रहा है। प्रस्तुत पुस्तक भी उनकी पुनीत स्मृति में श्रद्धा का एक पुष्प है। उन्होंने अपने जीवन, कार्यों एवं वाणी द्वारा जनजातियों को ऐसे समय में आत्मविश्वास दिया जब वह निराशा के समुद्र में डूबे हुए थे। बिरसा मुंडा अप्रतिम जन संचारक एवं असाधारण लोकनायक थे, जो भारतीय स्व-जागरण तथा प्रतिरोध के पर्याय रहे हैं तथा जनजातियों का चतुर्मुखी उत्थान चाहते थे और उनके कार्यों में राष्ट्रीय नवनिर्माण के सभी सूत्र मिल जाते हैं।

प्रस्तुत पुस्तक कुल 30 अध्यायों में विभाजित है। इसमें विषय-विशेषज्ञों द्वारा बिरसा मुंडा के रूप में एक प्रखर राष्ट्रीय नायक के जीवन दर्शन, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा धार्मिक चिंतन का व्यापक अध्ययन करते हुए भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा के प्रतिरोध को यथासंभव रेखांकित करने का प्रयत्न किया गया है।

किताबवाले
22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग
अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002
वेबसाईट : www.kitabwale.com
ईमेल : kitabwale@gmail.com

Price : ₹ 2100.00
ISBN 978-93-90702-70-1
9 789390 702701